

**एक नजर
उधारी के तनाव
में युवक की मौत**

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। दुलिया थानाक्षर में एक

युवक की उड़ानी के सदमे में मौत

की घटना सामने आई है। क्रैंडिट

कार्ड से 20.50 लाख रुपये

निकालकर युवक ने आपारी को उड़ा

गर दिया था। उसी की वापी नहीं

होने और क्रैंडिट कार्ड की कपीये से

बकाया जमा करने के बावजूद सुयुक

तावाव में था। परंतु याकूब का आपार

की घटना का आपार था।

इलाया के दौरान उसकी मौत हो

गई। इलाया बास का लेकर

पर्सियन बासरूप युवक का पूर्ण

और प्रश्न नहीं था।

प्रकरण का वार्ता रिपोर्ट बस्ती

निवासी भौमिक जान ने दुलिया

थाने पर तोरीय बस्ती कर्यालय

लगाया है। इसके कार्यक्रम

के बाबत बस्ती अधिकारी पर असर

लगाया है। कि उसके 35 वर्षीय बढ़े

भौमिक ने अपने कार्ड कार्ड

से 20.50 लाख रुपये निकालकर

एक व्यापारी को उधार दिया था।

बास-बास रुपये वापस करने की बात

करने पर उसने कहा कि जल्दी दे

देंगे, लेकिन हीलाहवाली करते रहे।

दुर्दशी तरफ क्रैंडिट कार्ड की से

कर्जी जमा करने के बाबत बदला

गया। इसी लियोने में बेटे की तोक्यत

खराक हो गई और इलाया के दौरान

आठ अंडे की रात उसके बालों

हो गए। मौत की खबर से कर्जे में

हड्डियां गया। परिजन बास लेकर

आपारी की घटनाको सिविल बास

पर उसके बालों की घटना बताते

हुए। इसी लियोने में बेटे की मौत हो

गई।

रे लगाडी की

चपेट में आने से

साड़ की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मालांगी की चपेट में

आने से एक साड़ की मौत हो गई।

उकान का शब्द नालांगी के फैलने

से जुड़ा है। इसी लियोने

एक साड़ की चपेट में आया

गया। इससे उकानी भी गूंह हो

गई और शब्द मालांगी की फैलने

से नाना का दिया गया। वहीं

के साथ बस्ती की चपेट में

आया। इससे जानांगों

में फैला गया।

हासे की रुकान एवं रेस्टेनेंट

की ओर भी भौमिक बस्ती

की चपेट में आया।

जानांगों की चपेट में आया।

दो चोकी की ब्राह्मी है,

सिपाही

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। परस्तामुर्य जान में शारीर

प्रियोंको को रसायनिक ने तकात

प्राप्ति की दिया दिया। जो

सिपाही की चपेट में आया।

जानांगों की चपेट में आया।</

'झुंगे अखवार निकालने दो तो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म की नियमक है और कौन कानून का निर्माता'-वेडेल किलिप्पा

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 11 अप्रैल 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

राज्यपालों की भूमिका

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि को राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों पर अधिक रूप से बैठेने के लिए दोषी ठहराने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला बहुत जटिली नहीं आया है। राज्यपाल ने राज्य सरकार के खिलाफ एक प्रतिकूल भूमिका भी और केंद्र के खिलाफ पर स्पष्ट रूप से प्रतिकूल व्यवहार में लिप्त रह चूंगा। वे केवल 3 साल से अधिक समय से विधानमंडल द्वारा पारित कुछ विधेयों पर बैठे रहे तक उन्होंने विधानसभा में अपनी भूमिका के कुछ हिस्सों को छोड़कर करमांडू की उत्तराय जिसे राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी और उन्हें इसे रापा पढ़ा था। एक और अमूर्तपूर्ण कदम उठाते हुए उन्होंने राज्य गान बजाये जाने के मुद्दे पर राज्य विधानसभा से विवादित कर दिया। उनके कार्य असंविचारिक थे और यह कोई अस्वीकृती की उत्तराय नहीं है। राज्यपाल के हस्तक्षेप करना पड़ा और अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन विधेयों को पारित करने पर विचार करना पड़ा। वे पार राज्यपाल ले रापा पढ़ा था।

राज्यपाल का पार एक गरिमाग्राउं पर है और इसे राज्य का प्रथम नागरिक माना जाता है जिसकी भूमिका मुख्यतः ओपरारिक होती है। रियायिक नेता राज्यपालों के बूक शालियों प्रदान की है लेकिन व्याक के सिद्धांत यह है कि उन्हें मुख्यमंत्री की अधिकारी वाली मंत्रिपरिषेक की सलाह के अनुसार कार्य करना चाहिए। राज्य-भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले सरकारों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों का प्रतिकूल रेख्या लगातार जाच और आलोचना के दायरे में आ रहा है। परिवर्तन बंगाल, अंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल अंदर मैराजा शासित सरकारों के खिलाफ राज्यपालों का अंजाबी गो-रेसर बैठेने देखने को मिल रहा है जबकि भाजपा और उसके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों में रेसा कोई मुद्दा नहीं है।

प्रतिकूल राज्यपालों द्वारा अपनाएं जाने वाले तरीकों में से एक निर्वाचित राज्य सरकारों पर पारित विधेयों पर चुप्पी साधना है। उन्हें या तो विधेयकों पर हस्तक्षेप करने चाहिए या विधेयकों को अंजाकार करके पुर्वाधीन के लिए रिवानगामा को रेजिस्टर कर दिया। यदि राज्यपाल द्वारा विधेयों को अंजाकार कर दिया जाता है तो उन्हें रिवानगामा को वापस भेज दिया जाता है और अगर रिवानगामा फिर से विधेयक पारित करती है तो राज्यपाल के पास विदीवार रेखा पर हस्तक्षेप करने के अंतराल को छोड़ दिया जाता है।

हालांकि, ये राज्यपाल कई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं और राज्य विधानसभाओं में पारित विधेयों को दबाए रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए कि रिही के लिए रिवानगामा में 'सचाई की कामयाद' है और यह एक अनुचित पैकेट टीकों के बराबर है। कुछ मनोनीवाहने पहले, सर्वोच्च न्यायालय ने विधानसभा द्वारा पारित विधेयों को मंजूरी देने में पंजाब के पूर्व राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहिती की ओर से की गई दोरी पर भी इसी तरह का झंझन लिया था। सुनावी के दीर्घांना, वीरी वाली की पीठ से कहा कि राज्यपाल आगे से खेल रहे हैं। यह देखते हुए कि भारत 'स्थापित पंरपराओं और पंरपराओं पर चल रहा है', सर्वोच्च न्यायालय की पीठ से कहा था कि वे पंजाब सरकार और राज्यपाल के बीच गतिशील से नायुवा हैं। पुरोहिती और मुख्यमंत्री भारतवत् का नेतृत्व वाली सरकार के बीच बांगा 3 द्वारा विधेयों से संबंधित था जिन्हें राज्य द्वारा विशेष बजट सत्र के दौरान पेश की जाना प्रस्तावित था। सदन में वर्त विधेयक पेश करने के लिए राज्यपाल की मंजूरी की अवश्यकता होती है जो वह नहीं दे रहे थे।

इसी तरह के एक अन्य मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने केरल के राज्यपाल आर्मी-मोहम्मद खान को नोटिस जारी कर केरल सरकार की इस दलील पर जवाब मांगा था कि राज्यपाल द्वारा पारित और उनकी सहमति के लिए भेजे गए 8 विधेयों पर कार्रवाई में देखी कर रहे हैं। खान ने मुख्यमंत्री से राज्य के बिंदी को अपने मंत्रिमंडल से राज्यपाल के लिए करकरे एक अनुचित कदम उठाया था जोकि नेतृत्व राज्यपाल के बिंदी का आनंद लेना कर दिया था! मुख्यमंत्री ने निश्चित रूप से उनकी सलाह को अंजीकार कर दिया था। इसके पहले, परिवर्तन बंगाल के पूर्व राज्यपाल और देश के वर्तमान उप-राष्ट्रपति जगदीप धन ने मन्त्री बनने के बाहर द्वारा राज्यपाल की इच्छियों को रोक दिया था और अंजर सरकार के लिए आलोचनात्मक संदर्भ में वाले बयान दिए थे। विभिन्न कानूनों और नियमों के तहत, राज्यपाल सर्वोचित रूप से विधेयविद्यालयों के अंपरारिक रूप से विधेयकों की नियुक्ति करनी होती है और दीक्षित समाजीकों की अवश्यकता की होती है या औपरारिक अधिवक्ताओं को मंजूरी देनी होती है। हालांकि धनवान ने विधेयविद्यालयों के कामकाज में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया और राज्य सरकारों द्वारा शुरू की नियुक्तियों पर सवाल उठाया शुरू कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट की ताजा फैसले और जरिस जी. पी. पारदीवाला और एम. मोदेवाल की गई टिप्पणियों ने एक खात्मा योग्य मिसाल करायी की है। पीठ से समाजी सीमा के भीतर कार्य करने की अपेक्षा की जाती है, उक्त के बारे में अस्वीकृत को संवेदित किया गया है। राज्यपालों को अपने पक्ष से की संवेदित की रीसामी को समाज करना चाहिए जिससे विधानसभा लोगों की इच्छा का प्रतिनिधित्व कर सके। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी राज्यपालों को उनकी निर्वाचित भूमिकों की भीतर कार्य करने की याद दिलाई तो है। अच्युत राज्यपालों को यह सुनिश्चित करने के लिए इस फैसले पर ध्यान देना चाहिए कि वे अपने संवेदित कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत दौलतचक विधेयों विवाद जनपद- बस्ती

अत्यकालिक निविदा सुचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15 वा केंद्रीय वित्त आयाग/एजेंसी आयागों/अंत्येष्टि खच/स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनावाली प्राथमिक वित्तालय/पंचायत बल/मरमरा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक मरमरों के अनुसार, सुन्दरीकरण एवं अवस्थामान सुधारिकाओं के विकास हैं। निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों की काय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमत्रित की जाती है। इच्छक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11-04-2025 से 18-04-2025 तक कार्यालय कार्य विवाद में अपराह्न 12.00 बजे तक प्रान ग्राम पंचायत के कायालय पर सील बंद निविदा जारी कर सकते हैं। दिनांक 19-04-2025 को निविदा हेतु गणित करनी या निर्माण संस्थानी के सदव्यायों के समाप्ति 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा के फैसले पैड पर होगी।

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार) परियोजना का नाम मात्रा (प्रावकलन शेषशूल रेट के अनुसार)

फ्र.स. परिय

